सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 305 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 13 दिसम्बर, 2025

जीवन में ऐसे लक्ष्य बनायें कि आप उसे प्राप्त ना भी कर पाएं तो भी ये मानवीय क्षमता की विजय हो।

-महात्रिया रा

मूल्य ₹ 3/-

अंडर-19 एशिया कप: भारत ने यूएई को... 7 | पं. नेहरू के नाम पर फिर मचा... 3 | एनआरसी का छिपा हुआ रूप... 2

केरल निकाय चुनाव में बीजेपी की नहीं गली दाल

70 फीसदी से अधिक हुआ था मतदान

» थरूर का सुरूर

» थरूर के गढ़ तिरुवनंतपुरम में एनडीए को बढ़त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। केरल की राजनीति एक बार फिर स्थानीय निकायों की गिनती के साथ राष्ट्रीय विमर्श में लौट आई है। पंचायत से लेकर नगर निगम तक-हर मत हर वार्ड और हर राउंड के साथ यह साफ होता जा रहा है कि केरल के निकाय चुनाव सिर्फ स्थानीय सरकारों के गठन का सवाल नहीं हैं बल्कि 2026 की विधानसभा राजनीति की पहली ठोस झलक भी हैं।

मतगणना के शुरुआती घंटों में जो तस्वीर उभरी है वह किसी एक दल के पक्ष में बहती लहर नहीं बल्कि तीन मोर्चों के बीच कड़े संतुलित और तनावपूर्ण मुकाबले की कहानी बता रही है।

दो चरणों में हुए थे चुनाव

केरल निकाय चुनाव को दो चरणों में सम्पादित कराया गया था । केरल निकाय चुनाव में 2 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने मतदान किया है। दोनों चरणों में कुल 73.69 प्रतिशत वोटिंग हुई। इस साल हुए स्थानीय निकाय चुनाव में 1995 के बाद से सबसे अधिक मतदान हुआ है। केरल में 1995 में पहली बार निकाय चुनाव हुए थे। दोनों चरणों में राज्यभर के वार्ड में चुनाव लड़ रहे 75,632 उम्मीदवारों के चुनावी भाग्य का फैसला करने के लिए 2,86,62,712 मतदाता पात्र हैं। इन नतीजों से केरल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए राज्य की राजनीतिक पार्टियों और गठबंधनों के प्रचार अभियान की भविष्य की दिशा तय होगी। निर्वाचित पंचायत सदस्यों और नगर पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह 21 दिसंबर को सुबह 10 बजे होगा। नगर निगम पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह 21 दिसंबर को सुबह 11 बजे होगा।

कन्नूर में कांग्रेस आगे

कन्नूर नगर निकाय में कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन यूडीएफ 12 डिवीजनों में आगे चल रहा है। वहीं सीपीआईएम के नेतृत्व वाला गठबंधन एलडीएफ 6 डिवीजनों में और बीजेपी के नेतृत्व वाला गठबंधन एनडीए 2 डिवीजनों में आगे चल रहे हैं। यहां मुख्य मुकाबला एलडीएफ और यूडीएफ के बीच देखने को मिल रहा है।

शुरूआती रुझानों में कांग्रेस को बढ़त

शुरुआती रुझानों में कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) कोच्चि, त्रिशूर और कन्नूर जैसे अहम शहरी निगमों में बढ़त बनाता दिख रहा है। यह वही शहरी इलाके हैं जहां मध्यम वर्ग, व्यापारिक तबका और अल्पसंख्यक मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। यूडीएफ की इस बढ़त को पार्टी के लिए शहरी पुनरुत्थान के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। खासतौर पर ऐसे समय में जब कांग्रेस लगातार यह सवाल झेल रही है कि क्या वह केरल में अपनी पुरानी धार खो चुकी है। दूसरी ओर सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाला लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) भी पूरी तरह बैकफुट पर नहीं है। कोल्लम और कोझिकोड जैसे पारंपरिक गढ़ों में एलडीएफ की बढ़त यह बताती है कि लेफ्ट की संगठनात्मक जड़ें अब भी मजबूत हैं। सत्ता में रहते हुए एंटी-इंकम्बेंसी के आरोपों के बावजूद लेफ्ट ने यह संदेश दिया है कि उसका कैडर आधारित ढांचा आज भी चुनावी मैदान में असरदार है।

घर का भेदी लंका ढाए!

कांग्रेस वाले शशि थरूर के क्षेत्र तिरूवनंतपुरम से बीजेपी के लिए शुभ संकेत आना शुरू भी हो गये है। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में एनडीए ने 21 वार्डों में बढ़त हासिल की है। यहां एलडीएफ 16 वार्डों में और यूडीएफ 11 वार्डों में आगे चल रही है। उधर कोच्चि नगर निगम में एलडीएफ और यूडीएफ की कांटे की टक्कर चल रही है। शुरुआती रुझानों के अनुसार भले ही एलडीएफ की जीत की उम्मीद थी। लेकिन यूडीएफ ने अब यहां वापसी की है। फिलहाल दोनों मोर्चे 32-32 सीटों पर बराबरी पर हैं। जबकि बीजेपी पांच डिवीजनों में आगे चल रही है।

तिरुवनंतपुरम में वोट दर वोट बदल रहा है मूड

लेकिन इस पूरे चुनाव का सबसे दिलचस्प और राजनीतिक रूप से सबसे अहम मैदान तिरुवनंतपुरम नगर निगम बनकर उभरा है। यहां बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए और एलडीएफ आमने सामने हैं। हर राउंड में कभी एनडीए आगे होता है तो कभी एलडीएफ और इसी खींचतान ने तिरुवनंतपुरम को राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों में ला

खड़ा किया है। बीजेपी के लिए तिरुवनंतपुरम सिर्फ एक नगर निगम नहीं बल्कि केरल की राजनीति में दरवाजा खोलने का प्रतीक है। पार्टी लंबे समय से यह दावा करती रही है कि केरल में उसका वोट शेयर बढ़ रहा है लेकिन सत्ता में तब्दील नहीं हो पा रहा। लेफ्ट के लिए भी यह मुकाबला कम अहम नहीं। अगर तिरुवनंतपुरम में पकड़ ढीली पड़ती है, तो यह शहरी मतदाताओं के बीच बदलते रुझान का संकेत माना जाएगा जो 2026 की विधानसभा चुनावी रणनीति को प्रभावित कर सकता है।

एनआरसी का छिपा हुआ रूप है एसआईआर: अखिलेश यादव

सपा प्रमुख ने कहा- भाजपा विरोधी मतदाताओं को हटाने की एक बड़ी साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा यह एसआईआर नहीं है। यह एसआईआर के वेश में एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक पंजी) है। वे सीधे एनआरसी लागू नहीं कर सके। अब वे एनआरसी लेकर आए हैं।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद की निंदा करते हुए कहा कि यह ''एनआरसी का छिपा हुआ रूप'' है और भाजपा विरोधी मतदाताओं को हटाने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। अखिलेश ने पत्रकारों से कहा कि निर्वाचन आयोग को बड़े पैमाने पर नाम हटाने की अनुमति देने के बजाय मतदाता भागीदारी बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, ''उत्तर प्रदेश में तीन करोड़ से अधिक मतों के कटने का खतरा है।''

अखिलेश शनिवार को होने जा रहे 'विजन इंडिया - एआई शिखर सम्मेलन' में भाग लेने के लिए हैदराबाद आए हैं। उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और बीआरएस नेताओं के साथ भी बैठकें कीं, जिनमें इसके कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव भी शामिल थे।

विजन इंडिया: एआई समिट में शामिल होंगे सपा प्रमुख

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का हैदराबाद में पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। अखिलेश यादव वहां शनिवार को समाजवादी पार्टी की ओर से आयोजित विजन इंडिया: एआई समिट में शामिल होंगे। उनके हैदराबाद पहुंचने पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भी उनका स्वागत किया और मुलाकात के दौरान समसामयिक विषयों पर चर्चा की। उन्होंने हैदराबाद में मीडिया से कहा कि हर जगह और हर स्तर पर एआई (आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस) का प्रभाव बढ़ रहा है। कृषि क्षेत्र, मेडिकल क्षेत्र और अन्य सेक्टर में एआई का प्रभाव बहुत तेजी से बढ़ रहा है। हैदराबाद ने तकनीक के क्षेत्र में बहुत विकास किया है। सपा ने एआई को लेकर हैदराबाद में विजन इंडिया कार्यक्रम का आयोजन किया है।

आज देश में लोगों को हर कदम पर मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा

अखिलेश यादव ने कहा कि आज भारत ऐसा देश बन गया है, जहां लोगों को हर कदम पर मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। समस्याओं का समाधान करने के लिए हमने एक रास्ता सोचा है। विजन इंडिया जो एक सकारात्मक, यथार्थवादी और प्रगतिशील भविष्य की ओर ले जाएगा।

भाजपा और चुनाव आयोग में मिलीभगत

वोटरलिस्ट के एसआईआर को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग को वोट बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए, जिससे वोट बढ़े। इसके उलट देखा जा रहा है कि यूपी में करीब तीन करोड़ वोट कटने जा रहा है। भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर साजिश कर रहे हैं कि जहां-जहां भाजपा हारी है, वहां-वहां वोट काट दें। यह लोकतंत्र के खिलाफ षड्यंत्र है।

महाराष्ट्र में बच्चों का अपहरण रोका जाए : राज ठाकरे

» मनसे प्रमुख ने मुख्यमंत्री फडणवीस को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे एक पत्र में महाराष्ट्र में बच्चों के अपहरण की बढ़ती घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि गिरोह पूरे राज्य में सुनियोजित तरीके से छोटे बच्चों को निशाना बना रहे हैं। ठाकरे ने सरकार के दृष्टिकोण पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि वह शीतकालीन विधानसभा सत्र के दौरान बजट अनुमोदन पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जबकि सार्वजनिक सुरक्षा को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों की उपेक्षा कर रही है।

ठाकरे के पत्र में राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, 2021 और 2024 के बीच बाल अपहरण में लगभग 30प्रतिशत की वृद्धि का उल्लेख किया गया है। उन्होंने अंतरराज्यीय गिरोहों द्वारा बच्चों के अपहरण, उनसे जबरन मजदूरी

करवाने और भीख मंगवाने पर चिंता व्यक्त की। ठाकरे ने इन गिरोहों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने में सरकार की विफलता की कड़ी आलोचना की और सवाल उठाया कि ऐसे अपराधों को रोकने के लिए कोई स्पष्ट रणनीति क्यों नहीं है। उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि सरकारी आंकड़े, जो अक्सर केवल बरामद किए गए बच्चों के प्रतिशत को ही दर्शाते हैं, समस्या की पूरी गंभीरता को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। यहां तक ?कि जब बच्चों को बचा लिया जाता है, तब भी उनके साथ होने वाले आघात का समाधान नहीं हो पाता है। ठाकरे ने यह स्पष्टीकरण मांगा कि ये गिरोह इतनी खुलेआम और लगातार कैसे काम कर रहे हैं और सवाल किया कि सरकार ने मजबूत और निर्णायक कार्रवाई क्यों नहीं की है। ठाकरे ने विधानसभा में बाल अपहरण, लापता लड़कियों और अन्य सार्वजनिक सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने शीतकालीन सत्र की आलोचना करते हुए कहा कि यह सत्र मुख्य रूप से पूरक बजटों को मंजूरी देने पर केंद्रित रहा, और अक्सर प्रश्न उठने पर मंत्री अनुपस्थित रहे। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि सार्वजनिक स्थानों पर भीख मांगते देखे जाने वाले बच्चों की उचित पहचान की जानी चाहिए, आवश्यकता पड़ने पर डीएनए परीक्षण के माध्यम से भी, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ठाकरे ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य सरकार को केंद्रीय अधिकारियों के समन्वय से बाल अपहरणों को रोकने और कमजोर बच्चों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

भाजपा में कोई भी लोकतंत्र नहीं: फखरुल हसन चांद

» सपा नेता का भाजपा पर तीखा वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नईदिल्ली। यूपी बीजेपी के नए प्रदेश अध्यक्ष के ऐलान से पहले समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने बीजेपी पर बड़ा हमला बोला है। फखरुल हसन चांद ने कहा कि भाजपा में कोई भी लोकतंत्र नहीं है। जो दिल्ली और लखनऊ को भाता है वही चुना जाता है, जिसका नाम तय हो गया है वो अध्यक्ष चुना जाएगा। बाकी सब खानापूर्ति है।

सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने एक वीडियो संदेश जारी कर बीजेपी पर हमला बोला है. फखरुल हसन चांद ने कहा है, भारतीय जनता पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष चुनने की कोई प्रक्रि या नहीं है, केवल दिल्ली व लखनऊ को जो अच्छा लगेगा, वही

प्रदेश अध्यक्ष बनेगा। यूपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष को लेकर चल रही चुनाव प्रक्रिया पर सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने कहा, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चुनाव के लिए जो प्रक्रिया चल रही है, वह सिर्फ खानापूर्ति है। पहले से तय है कि प्रदेश अध्यक्ष कौन बनेगा है, जो दिल्ली और लखनऊ को भाता है वही चुना जाता है। कहा कि, भारतीय जनता पार्टी में चुनाव की कोई प्रक्रिया नहीं है, जो दिल्ली और लखनऊ को साध लेगा वही प्रदेश अध्यक्ष बनेगा. बीजेपी में पार्टी के अंदर कोई लोकतंत्र नहीं है।

बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

रालोद प्रदेश में और पैर पसारेगा

» संगठन विस्तार को लेकर हुई बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज प्रदेश कार्यालय में अर्बन बॉडी प्रभारी समिति के प्रभारी एवं राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने लखनऊ नगर निकाय की समीक्षा बैठक की। इस बैठक में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी उपस्थित रहे।

बैठक में लखनऊ जिलाध्यक्ष सत्यप्रकाश तिवारी तथा महानगर अध्यक्ष सरताज मलिक भी मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रभारी अनुपम मिश्रा ने कहा कि लखनऊ नगर निकाय में राष्ट्रीय लोकदल के संगठन को मजबूत करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। आज की बदलती

राजनीतिक परिस्थितियों में आवश्यक है कि हम प्रत्येक वार्ड, प्रत्येक मोहल्ले और प्रत्येक बूथ तक सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराएं। संगठन तभी मजबूत होगा जब कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझकर पार्टी मंच पर मजबूती से उठाएं.लखनऊ जैसे महानगर में युवाओं, महिलाओं और व्यापारियों को जोड़ने के लिए विशेष रणनीति बनाकर काम करना होगा। नगर निकाय स्तर पर पार्टी की एक सशक्त टीम खड़ी करने के लिए सभी पदाधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें। आने वाले समय में राष्ट्रीय लोकदल को शहर की राजनीति में निर्णायक ताकत बनाने का लक्ष्य है, जिसके लिए हर स्तर पर संगठन विस्तार, सक्रियता और जवाबदेही को बढ़ाना हमारी प्राथमिकता है। वहीं प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों और सिद्धांतों को जनता तक पहुँचाने के लिए, मीडिया प्रकोष्ठ पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। डिजिटल माध्यमों के साथ फील्ड में भी सक्रियता बढ़ाकर पार्टी की आवाज़ को और मजबूत बनाया जाएगा। आने वाले समय में पार्टी की प्रत्येक गतिविधि को व्यवस्थित रूप से जनता तक पहुंचाना हमारा संकल्प है।

पं. नेहरू के नाम पर फिर मचा बवाल

नड्डा ने कांग्रेस पर संस्कृति से समझौता करने का लगाया आरोप

- वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान पूर्व पीएम का नाम उछालने पर कांग्रेस बिफरी, भाजपा ने भी चलाए तीर
- राज्यसभा में भिड़े खरगे-नड्डा
- सरकार बताए 150वीं वर्षगांठ पर बहस है या पंडित नेहरू पर : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान एकबार फिर पूर्व पीएम पं जवाहर लाल नेहरू को संसद में भाजपा व कांग्रेस में वार-पलटवार जारी रहा। इस बार राज्यसभा में भाजपा अध्यक्ष व कांग्रस अध्यक्ष में जमकर तीखी बहस हुइ। जेपी नड्डा द्वारा जवाहरलाल नेहरू पर की गई टिप्पणी के बाद राज्यसभा में हंगामा मचा, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने नेहरू को बहस का केंद्र बनाने पर सवाल उठाया।

नड्डा ने कांग्रेस पर संस्कृति से समझौता करने का आरोप लगाया, वहीं खरगे ने आरोपों को विकृत और असत्य बताया, जिससे दोनों नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई। अंततः, अध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद नड्डा ने कहा कि सरकार केवल ऐतिहासिक तथ्यों को सही करना चाहती है, न कि नेहरू की छवि को धूमिल करना। वहीं जेपी नड्डा द्वारा वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान जवाहरलाल नेहरू पर की गई टिप्पणी के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूछा कि क्या चर्चा का विषय वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ है या फिर चर्चा का मुख्य विषय जवाहरलाल नेहरू हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर नड्डा के भाषण के दौरान हस्तक्षेप किया और नेहरू पर वंदे मातरम का अपमान करने का आरोप लगाया। खरगे ने कहा कि मैं जानना चाहता हूं कि यह बहस वंदे मातरम को लेकर है या पंडित जवाहरलाल नेहरू को लेकर। यहां जो कुछ भी कहा जा रहा है, वह विकृत है और सच नहीं है।

सिर्फ वंदे मातरम की बात हो रही, कांग्रेस को पं. नेहरू से जुड़ी बातें अच्छी नहीं लगती : नड्डा

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा भारत की संस्कृति से समझौता किया है। राज्यसभा में सदन के नेता ने कहा कि मैं सिर्फ वंदे मातरम की बात कर रहा हूं। अगर जवाहरलाल नेहरू से जुड़ी बातें उन्हें अच्छी नहीं लगतीं, तो मैं क्या कर सकता हूं? समस्या यह है कि शुरू से ही आप लोगों ने भारत की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से समझौता किया है... दुर्गा, सरस्वती, भारत माता और शक्ति इस देश के सभी लोगों के लिए हैं, और सभी को उनमें आस्था है।

भाजपा अब भी नेहरू-गांधी परिवार पर ही अटकी हुई है : राजीव शुक्ला

कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने संसद में चुनावी सुधारों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संबोधन की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में एक दशक से अधिक समय बिताने के बाद भी नेहरू-गांधी परिवार पर ही अटकी हुई है। शुक्ला ने दावा किया कि सत्ताधारी पार्टी नींद में भी नेहरू और गांधी के सपने देखती है और सवाल उठाया कि सरकार पिछले 11 वर्षों की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने के बजाय इतिहास का सहारा क्यों लेती रहती है। शुक्ला ने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि भाजपा कब तक इतिहास की बात करती रहेगी। वे हर बात में नेहरू को घसीट लेते हैं। मुझे यकीन है कि वे नींद में भी नेहरू और गांधी के सपने देखते हैं। आप पिछले 11 वर्षों से सरकार में क्या कर रहे हैं? उन्होंने आगे कहा कि गृह मंत्री का भाषण बहस के दौरान विपक्ष द्वारा उठाए गए मुख्य मुद्दों को संबोधित करने में विफल रहा।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को हस्तक्षेप करना पड़ा

इन टिप्पणियों के कारण राज्यसभा में हंगामा मच गया और स्थिति को शांत करने के लिए अध्यक्ष उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को हस्तक्षेप करना पड़ा। राज्यसभा में वंदे मातरम पर बहस का समापन करते हुए जेपी नड्डा ने जोर देकर कहा कि सरकार पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की छवि को धूमिल नहीं करना चाहती और उसका एकमात्र उद्देश्य ऐतिहासिक तथ्यों को सही करना है। उन्होंने कहा, वंदे मातरम को वह सम्मान नहीं मिला जिसके वह हकदार थे... उस समय सत्ता में रहे लोग (सरकार) इस स्थिति के लिए जिम्मेदार थे।

आरएसएस की तारीफ और कांग्रेस का वॉकआउट

लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सदन में इस चर्चा के लिए ना बोलने का सबसे बड़ा कारण यह है कि विपक्षविशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)के नाम पर चर्चा मांग रहे थे। एसआईआर पर इस सदन में चर्चा नहीं हो सकती, क्योंकि एसआईआर की जिम्मेदारी भारत के चुनाव आयोग की है। भारत का चुनाव आयोग और चुनाव आयुक्त, ये सरकार के तहत काम नहीं करते हैं। अगर चर्चा होती, और कुछ सवाल किए जाते तो इसका जवाब कौन देगा? अमित शाह ने लोकसभा में एसआईआर पर विपक्ष को इतना तीखा जवाब दिया कि

राहुल गांधी को भी बीच में आना पड़ा। राहुल गांधी ने तो अमित शाह को फ्री प्रेस कॉन्फ्रें स में डिबेट की चुनौती तक दे डाली, जिन्हें सुनकर कांग्रेस को सदन से वॉकआउट करना पड़ा। अमित शाह ने कहा कि एसआईआर पर इस सदन में चर्चा नहीं होनी चाहिए, ये चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है, ये भारत सरकार के तहत काम नहीं करते हैं। जब विपक्ष ने कहा कि हम चुनाव सुधार पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं तो हम तुरंत मान गए। अमित शाह ने कहा कि सबसे पहला एसआईआर 1952 में हुआ। उस समय कांग्रेस पार्टी से देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू थे। दूसरा एसआईआर 1957 में हुआ। उस समय भी कांग्रेस पार्टी से प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू थे। तीसरा एसआईआर 1961 में हुआ। उस समय भी कांग्रेस पार्टी से प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू थे। शाह ने 1965-66 में एसआईआर हुआ, उस समय भी कांग्रेस से लाल बहादुर शास्त्री प्रधानमंत्री थे। 1983-84 में एसआईआर हुआ, उस समय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं। 1987-89 में एसआईआर हुआ, उस समय प्रधानमंत्री राजीव गांधी थे। 1992-95 में एसआईआर हुआ, उस समय प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव थे। 2002-03 में एसआईआर हुआ, उस समय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी थे। 2004 में एसआईआर समाप्त हुआ, उस समय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह थे।

अपेक्षित पारदर्शिता प्रदान करने में विफल रही सरकार : तनुज पुनिया

शुक्ला की आलोचना का समर्थन करते हुए कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि सरकार चुनावी सुधारों पर चर्चा के दौरान अपेक्षित पारदर्शिता प्रदान करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि जिस पारदर्शिता की उम्मीद थी, वह नहीं दिखी। हरियाणा में जो हुआ, उन्होंने उसके असली सवालों का जवाब नहीं दिया, बल्कि कांग्रेस पर आरोप लगाए। आज जो हो रहा है, उसका कोई जवाब नहीं मिला।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

तकनीक से चेन स्नेचिंग जैसी घटनाओं पर लग सकता है अंकुश

> मोबाइल व चेन स्नेचिंग रोकने के लिए पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाई जानी चाहिए। संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी व चेहरे की पहचान जैसी निगरानी होनी चाहिए। चोरी के दोपहिया वाहनों की सघन जांच हो क्योंकि इस तरह के अपराध में यही वाहन काम आते है। अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई और सघन जागरूकता अभियान के साथ ही लोगों और पुलिस के बीच सूचना तंत्र मजबूत किया जाए।

पिछले कुछ महीनों में दिल्ली समेत देश के कई शहरों में मोबाइल और चेन स्नेचिंग जैसी घटनाएं बढ़ गईं हैं। इनसे नागरिकों में असुरक्षा की भावना पैदा होती है। इन पर अंकुश लगाने के लिए सर्वप्रथम, भीड़भाड़ वाले और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त को सक्रिय किया जाए। आधुनिक सीसीटीवी कैमरों का उपयोग किया जाए। इनमें जो आधुनिक तकनीकें आ रही हैं, जैसे फेशियल रिकग्निशन और मोशन डिटेक्शन, इनसे संदिग्ध गतिविधियों को पहले ही पकड़ा जा सकता है और रिकॉर्डिंग के जरिए बाद में कार्रवाई करने में भी आसानी होती है। जीपीएस ट्रैकिंग के जरिए चोरी हुए मोबाइल फोन्स को ट्रैक किया जा सकता है। मोबाइल और चैन स्नेचिंग के लिए सबसे ज्यादा जन जागरूकता का होना बहुत आवश्यक है। भीड़भाड़ वाले इलाकों में अपने मोबाइल का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। बहुत जरूरी होने पर ही मोबाइल बाहर निकालें। चैन स्नैचिंग से बचने के लिए बाहर जाने पर हल्के गहने पहनें, या ना पहनें। यदि फिर भी ये लूटपाट के मामले हो जाए तो तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराएं और साथ में सीईआइआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करके मोबाइल ब्लॉक कराएं।

इन तरीकों से अपराधियों को पकड़ने में आसानी होती है। ऐसा करने वालों को तुरंत सजा दी जाए, जिससे उनमें डर व्याप्त हो। मोबाइल व चेन स्नेचिंग रोकने के लिए पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाई जानी चाहिए। संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी व चेहरे की पहचान जैसी निगरानी होनी चाहिए। चोरी के दोपहिया वाहनों की सघन जांच हो क्योंकि इस तरह के अपराध में यही वाहन काम आते है। अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई और सघन जागरूकता अभियान के साथ ही लोगों और पुलिस के बीच सूचना तंत्र मजबूत किया जाए। चेन स्नेचिंग की घटनाओं को रोकने के लिए महिलाओं को अलर्ट रहने की आवश्यकता है। विशेष कर बुजुर्ग महिलाएं सोने के गहने पहन करके बाजार या निर्जन स्थानों पर ना जाएं। सुनसान सड़कों पर पुलिस की गश्त बढाई जाना चाहिए। भीड़भाड़ वाले स्थानों एवं मॉल्स तथा शो रूम्स में महिला पुलिस की व्यवस्था होना चाहिए। मोबाइल और चेन स्नेचिंग से बचने के लिए सख्त कानून और पुलिस की त्वरित कार्रवाई बहुत जरूरी है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने जरूरी है। जनता को जागरूक होना चाहिए। जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को इन अपराधों से बचने के तरीके बताए जाएं। मोबाइल ट्रेकिंग के लिए कई ऑनलाइन एप का उपयोग किया जा सकता है। मोबाइल और चेन स्नेचिंग जैसी घटनाओं से बचने के लिए आम जनता स्वयं सार्वजनिक स्थानों पर पूरी सावधानी बरते। आभूषणों का उपयोग सीमित व सावधानी से करे। इस तरह की घटनाएं ना हो, इसके लिए पुलिस लगातार तत्परता से पेट्रोलिंग करते रहनी चाहिए, जिससे घटना होने पर तत्काल पुलिस की मदद मिल सके। पुलिस को संदिग्ध, आपराधिक प्रवृति के व्यक्तियों पर लगातार नजर रखनी चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

काम और जीवन के बीच संतुलन जरूरी

डॉ. सुधीर कुमार

लोकसभा में 'राइट टू डिस्कनेक्ट' बिल पेश किया गया है, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों को काम के घंटों के बाद कार्यालय से जुड़ी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसों से डिस्कनेक्ट होने का अधिकार देना है। यह बिल अभी संसद में सिर्फ 'प्राइवेट मेंबर बिल' के तौर पर पेश हुआ है, जिसका कानून बनना थोड़ा मुश्किल होता है। पर इसने एक ज़रूरी बहस तो छेड़ दी है। सीधे शब्दों में, यह अधिकार सुनिश्चित करता है कि आपकी निजी ज़िंदगी और काम की ज़िंदगी के बीच एक साफ़ सीमा खींची जा सके। यह बिल कर्मचारियों को यह कानूनी अधिकार देता है कि वे काम के घंटों के बाद अपने बॉस या सहकर्मियों के फ़ोन कॉल, ईमेल या मैसेज को नजरअंदाज कर सकें, जिससे उनके निजी जीवन और आराम के समय का सम्मान हो सके।

इस बिल में यह प्रावधान किया गया है कि यदि कोई एंटिटी (कंपनी या सोसाइटी) नियमों का पालन नहीं करती है, तो उस पर कर्मचारियों की कुल सैलरी का 1 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाएगा। यह बिल नौकरीपेशा व्यक्तियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह लोगों को तनाव और बर्नआउट से मुक्ति दिलाता है, क्योंकि लगातार 'ऑन-कॉल' रहने की स्थिति में दिमाग को सही से आराम नहीं मिल पाता। इस बिल का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह व्यक्ति को मानसिक शांति प्रदान करता है। इसके अलावा, यह कानून लोगों को उनका निजी समय वापस दिलाता है, जिससे वे परिवार और दोस्तों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिता सकते हैं। निजी और पेशेवर जीवन के बीच यह संतुलन बेहतर सेहत के लिए ज़रूरी है, क्योंकि यह नींद की कमी और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को रोकता है, और उत्पादकता में सुधार करता है। निस्संदेह, आराम और तरोताज़ा महसूस करने वाले कर्मचारी अगले दिन अधिक लगन और बेहतर ढंग से काम करते हैं, जो यह साबित करता है कि आराम करने से उत्पादकता बढ़ती है, कम नहीं होती। इस बिल में दो अद्वितीय और मज़ेदार सुझाव भी दिए गए हैं।

पहला, यह बिल देश भर में 'डिजिटल डिटॉक्स सेंटर्स' बनाने का प्रस्ताव करता है। इन सेंटरों का मकसद एक ऐसी जगह प्रदान करना होगा जहां कर्मचारी स्वेच्छा से जाकर डिजिटल उपकरणों से दूर रह सकें और व्यक्तिगत बातचीत तथा आराम पर ध्यान केंद्रित कर सकें। दूसरा, बिल यह सुझाव देता है कि कर्मचारियों को काउंसलिंग सर्विस प्रदान की जाए। इस काउंसलिंग का लक्ष्य उन्हें यह सिखाना होगा कि व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में डिजिटल साधनों का उपयोग कब और कैसे विवेकपूर्ण तरीके से करना है, जिससे वे अपने काम और निजी समय के बीच एक स्पष्ट संतुलन स्थापित कर सकें। यानी, आपको सिखाया जाएगा कि इंस्टाग्राम पर रील देखना और बॉस का ईमेल चेक करना, ये दोनों अलग-अलग चीजें हैं। यह एक वैश्विक रुझान है, जहां दुनिया के कई विकसित देश अपने कर्मचारियों के 'काम से वियोग का अधिकार' को कानूनी रूप से लागू कर रहे हैं। भारत अकेला नहीं है; फ्रांस, स्पेन और पुर्तगाल जैसे कई प्रमुख राष्ट्रों ने यह पहचान लिया है कि एक स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने और कर्मचारी के मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए 'काम से वियोग का अधिकार' आवश्यक है। फ्रांस इस अधिकार को लागू करने वाला दुनिया का पहला देश था। उसने 2017 में ही कानून बनाकर बड़ी कंपनियों के लिए यह अनिवार्य कर दिया कि वे सुनिश्चित करें कि कर्मचारी काम के घंटों के बाद डिजिटल संचार से पूरी तरह से वियोग कर सकें। स्पेन भी इस मामले में पीछे नहीं है। वहां भी यह अधिकार लागू है और कंपनियों को अपने कर्मचारियों के लिए डिजिटल आराम की नीति बनाना अनिवार्य है। सबसे हालिया और सख्त उदाहरणों में से एक पुर्तगाल का है। पुर्तगाल ने कड़े नियम बनाए हैं, जिनके तहत बॉस काम के घंटों के बाहर कर्मचारी से संपर्क नहीं कर सकते, और यदि वे ऐसा करते हैं, तो उन पर भारी जुर्माना भी लगाया जा सकता है। यह 'राइट टू डिस्कनेक्ट' बिल भारत के लिए एक सकारात्मक और आवश्यक कदम है, जो आधुनिक कार्य संस्कृति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है।

हालांकि, इसे सफलतापूर्वक लागू करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान देना आवश्यक है—नियमों को बनाते समय, छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स की विशिष्ट जरूरतों को समझना होगा, ताकि तुरंत प्रतिक्रिया की आवश्यकता वाली उनकी कार्यप्रणाली बाधित न हो। आपातकालीन स्थितियों और जरूरी सेवाओं जैसे कि अस्पताल या पुलिस में इस नियम के अपवादों की स्पष्टता होनी चाहिए। बिल का सही प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए, सरकार और कंपनियों को मिलकर एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाना होगा, जिससे कर्मचारी बिना किसी डर के अपने इस अधिकार का उपयोग कर सकें।

कर्तव्य में एकता सुनिश्चित करती सेना की नैतिकता

लेफ्टिनेंट जनरल एसएस मेहता सेवानिवृत्त

कई बार ऐसे क्षण होते हैं जब अदालत का निर्णय किसी विवाद को निबटाने से अधिक बन जाता है; यह दिशा तय करता है। अपने सैनिकों के साथ रेजिमेंटल पूजास्थल के भीतर जाने से इनकार करने वाले एक अधिकारी को सेवा मुक्त किए जाने के निर्णय को बरकरार रखने वाला सर्वोच्च न्यायालय का फैसला ऐसा ही एक क्षण है। यह उस सच्चाई की पुष्टि करता है जो सैनिक सदा जीता है व जिसे लोकतंत्रों को निरंतर मजबूत करना चाहिए एक गणराज्य अपने संस्थानों के बूते खड़ा होता है और संस्थान अपना प्रण ईमानदारी से निभाने पर खड़े होते हैं।

सार्वजनिक बहस में, और कुछ टिप्पणियों में, इस मामले को लंबे समय से चली आ रही सैन्य प्रथाओं पर फिर से विचार करने के अवसर के रूप में लेना, इसको गलत अर्थ देना होगा। यह व्याख्या केंद्रीय बिंदु से चूक जाती है। मामला यहां किसी अनुष्ठान पर विवाद को लेकर नहीं है, बल्कि सम्बद्धता, कर्तव्य और एक विविधतापूर्ण सेना की संवैधानिक संरचना के बारे में है। यह विवाद एक रेजिमेंट में उत्पन्न हुआ, जहां एक मंदिर और गुरुद्वारा साथ-साथ हैं और लंबे समय से एक एकीकृत सर्व धर्म स्थान के रूप में सुचारू हैं। अधिकारी ने यह कहकर अंदर जाने से इनकार कर दिया कि उसकी धार्मिक मान्यता उस पूजा स्थल के गर्भगृह में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देती। समूची सेना में, ऐसे स्थानों को मान्यता की दरकार नहीं है; बल्कि वे तो सह-अस्तित्व को पुष्ट करते हैं। उनका मंतव्य केवल इतना कि विविधता के बीच, सम्बद्धता में दरार न आने पाए। परामर्श-सत्र और एक पादरी द्वारा यह आश्वस्त किए जाने के बाद भी कि पूजा स्थल पर प्रवेश करना उसके धर्म से समझौता नहीं है, वह अधिकारी अपने रुख पर अडिग रहा। विविधता में एकता का मतलब कभी भी इकाइयों के अंदर रार पैदा करना या किसी आदेश के मनमाफिक मायनों को प्रस्तुत करना नहीं रहा। सेना ने एकता का अर्थ कभी भी संख्या, अनुपात या निर्धारित संरचनाओं के रूप में नहीं लिया। जो कोई भी एक साथ खड़ा है, जहां कहीं से भी वो आता है और जिस भी अनुपात में दिखाई देता है, वह भी एकता है, क्योंकि सामंजस्य कोई गणित नहीं; यह अनुभूत अनुभव है।

यही कारण है कि कुछ टिप्पणियों में दिया गया सुझाव कि यह मामला वर्गीय संरचनाओं अथवा रेजिमेंटल प्रथाओं पर पुनर्विचार के लिए प्रेरित करे, पूरी तरह बिंदु से चूक जाता है। सेना के अंदर की एकता बाहरी रूपरेखा से निर्मित नहीं है; यह साझे कर्तव्य, साझे खतरे और उस शपथ से कायम रहती है, जो प्रत्येक सैनिक को दूसरे से जोड़कर रखती है। एक घटना, चाहे वो कैसी भी दिखाई दे, उसका उपयोग एक संस्थागत संरचना को फिर से खोलने या पुनः व्याख्या करने के लिए नहीं किया जा सकता। कर्तव्य निर्वहन से इंकार को समझना चाहिए, न कि पुनः रूपरेखा के लिए, और जो भी इस नैतिकता विशेष की पुनः व्याख्या में लगते दिखाई दे रहे हैं, निश्चित ही वे इसके वर्ण, वर्णमाला और व्याकरण से अनभिज्ञ हैं।

सेना की प्रथाएं युद्ध की वास्तविकताओं, सामंजस्य की दरकार और विविधतापूर्ण इकाइयों द्वारा एकीकृत होकर लड़ने वाले अनुभूत अनुभव से ढाली गई हैं। कुछ लोग पूछ सकते हैं कि अगर उक्त अधिकारी बहुसंख्यक समुदाय से होता, तब क्या प्रतिक्रिया अलग होती। यह सवाल फौजी वर्दी को गलत तरीके से पढ़ता है। सेना पहचान को अधिमान नहीं देती; दायित्व पर जोर देती है। एकता जनित कर्तव्य का उल्लंघन एक समान है, चाहे वह कोई भी करे। नैतिकता किसी एक या कई के लिए, अल्पसंख्यक से हो या बहुसंख्यक वर्ग से, सबके लिए समान है, क्योंकि जिस घड़ी पहचान में गणित प्रवेश करता है, उसी पल सामंजस्य का निकास हो जाता है। इसलिए यह निर्णय इस बारे नहीं कि अधिकारी कौन था। इस बारे है कि संस्था को कैसी बने रहना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने उस अधिकारी को सेवामुक्त किए जाने का फैसला बरकरार रखा, इसलिए नहीं कि यहां उसकी ईमानदारी पर शक है, बल्कि इसलिए कि उसका मानना है कि सशस्त्र पेशे में धार्मिक मान्यता को कर्तव्य से ऊपर नहीं रखा जा सकता। यहां निजी व्याख्या से रेजिमेंटल वैध प्रथा को अलग करके लिया जा रहा था। वह भी एक ऐसे बल में जहां परिचालन में एकता पर समझौता नहीं हो सकता, यह कृत्य अनुशासनहीनता का है। सेना ने अपने शासनादेश के भीतर रहकर काम किया; अदालत ने इसे बरकरार रखा क्योंकि यह निष्पक्ष -निर्भय होकर काम करने वाले बल की रीढ़ संवैधानिक रूप से मजबूत करता है। यह समझने को कि विश्वास को कर्तव्य से ऊपर क्यों नहीं रखा जा सकता, उसे सैनिक बनने के व्याकरण को पुनः पढ़ना होगा।

थलीय युद्ध का ढंग कभी नहीं बदलता - हाथ से हाथ, संगीन से संगीन, आदमी से आदमी, टैंक से टैंक। आमने-सामने के युद्ध में दरार की कोई गुंजाइश नहीं बचती। विभिन्न हथियारों और सेवाओं वाली सेना में विविधता वर्णमाला है। व्याकरण है आक्रमण, बेदखली, कब्जा और पकड़, थलीय युद्ध का निष्ठुर वाक्यविन्यास जिसे अटूट सामंजस्य की दरकार है। अक्षर, वर्णमाला और व्याकरण के बीच, स्थिरांक है व्यक्ति उसकी सहज प्रवृत्ति, प्रेरणा व उसकी चिरस्थायी संहिता...नाम, नमक, निशान। विविधता में एकता एक आकांक्षा नहीं; परिचालन की जरूरत है। सैन्य इकाई चाहे सर्व-वर्गीय हो, मिश्रित वर्ग की हो या निर्धारित वर्ग की, अधिकारी स्तरीय नेतृत्व हमेशा मिश्रित रहा है। इस तंत्र के वास्ते सर्वधर्म स्थल होते हैं।

हलासन

तनाव और हार्मोनल असंतुलन से स्किन पर जो असर पड़ता है, उसे हलासन संतुलित करता है। इससे त्वचा में निखार आता है। इसके अलावा इस आसन को रोजाना करने से पाचन में सुधार के साथ-साथ शरीर के लचीलेपन को बढ़ाने के मदद मिलती है। यह योग मुद्रा एक नहीं, बल्कि असंख्य फायदों से भरपूर है। जैसा कि हमने आपको ऊपर भी बताया है कि इस योग का नाम हल से लिया गया है क्योंकि यह खेत में जुताई के समान दिखता है।

सर्वांगासन

यह आसन चेहरे तक रक्त प्रवाह बढ़ाता है, जिससे झुर्रियां कम होती हैं और स्किन नैचुरली ग्लो करने लगती है। इसे 'ग्लोइंग स्किन योग' भी कहा जाता है। स्वच्छ शुद्ध वातावरण में आसन बिछाकर, करवट लेते हुए पीठ के बल लेट जाएं और कुछ देर लेटकर मन को शांत करें। बाजुओं को कमर के पास सीधा रखते हुए हथेलियों को जमीन पर टिका दें। पैर को आपस में मिलाकर और टांगों को सीधा रखकर सांस भरते हुए टांगों को ऊपर की तरफ लाएं और कोहनियों को जमीन पर अच्छी तरह से टिकाने के बाद दोनों हाथों से पीठ को सहारा दें।

ग्लोइंग स्किन और जवां चेहरा

पाने के लिए करें ये योग

हर महिला चाहती है कि उसकी त्वचा हमेशा निखरी, दमकती और जवां बनी रहे। लेकिन बढ़ती उम्र, तनाव, प्रदूषण और गलत खान-पान से त्वचा की चमक धीरे-धीरे कम होने लगती है। ऐसे में महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स से बेहतर उपाय योगासन है। योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि चेहरे की मांसपेशियों में रक्त संचार बढ़ाकर त्वचा को नैचुरल ग्लो देता है। योग से शरीर के अंदर टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं, जिससे स्किन साफ, मुलायम और हेल्दी रहती है। योग त्वचा के लिए एक नेचुरल ब्यूटी थेरेपी है। यह रक्त प्रवाह को बढ़ाता है, तनाव को कम करता है और त्वचा को अंदर से पुनर्जीवित करता है। नियमित योगाभ्यास से त्वचा की कोशिकाओं को ऑक्सीजन और पोषण मिलता है, जिससे चेहरा अधिक युवा और दमकता हुआ दिखता है। इसके साथ ही सही आहार, नींद और पानी की मात्रा का संतुलन बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

कपालभाति प्राणायाम

कपालभाति प्राणायाम श्वास क्रिया शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालती है, जिससे स्किन साफ और चमकदार बनती है। नियमित अभ्यास से मुंहासे और दाग-धब्बे कम होते हैं। इससे संपूर्ण स्वास्थ्य में सुधार होता है। लेकिन गर्भावस्था में यह अभ्यास बिना किसी एक्सपर्ट की सलाह के नहीं करना चाहिए।

अधोमुख श्वानासन

इस आसन से चेहरे की ओर रक्त प्रवाह बढ़ता है, जिससे चेहरा प्राकृतिक रूप से गुलाबी और ताजा दिखता है। शरीर में इंसटेंट ऊर्जा लाने के लिए यह आसन बेहद सहायक है। यहां से मस्तिष्क को शांत रखता है और शरीर को चिंता, तनाव और डिप्रेशन की समस्या से दूर करता है। अस्थमा से लड़ने में अधोमुख श्वानासन बेहद मददगार है। साइनस या साइटिका को दूर करने में यह आसन बेहद मददगार है। कंधो को मजबूती देने के साथ-साथ है टांगों और बाजू को भी मजबूती देता है।

भुजंगासन

यह आसन चेहरे की कोशिकाओं को ऑक्सीजन देता है और त्वचा को टाइट बनाता है। इससे डार्क सर्कल और थकान भी कम होती है। भुजंगासन को अंग्रेजी में कोबरा पोज इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसके अभ्यास के दौरान आपका शरीर कोबरा के पोज में रहता है। अगर आपको पेट से जुड़ी समस्याएं हैं या किडनी की पथरी से जूझ रहे हैं तो इसका अभ्यास आपके लिए बहुत उपयोगी हो सकता है।

हंसना मना है

लड़का आधा किलो जलेबी खाके बिना पैसे दिए जाने लगा, दूकानदार : ओ भाई पैसे? लड़का : नहीं है! दुकानदार ने उसे कूट दिया? वो उठकर कपड़े झाड़ते हुए बोला.. भैया इसी भाव में एक किलो और तौल दो?

मम्मी (अपने बेटे से गुस्से में) : नालायक कहीं का, तू बाल क्यूं नहीं कटवाता? लड़का : क्या दिक्कत है मां, ये आजकल का फैशन है। मम्मी : (गुस्से में तमतमाते हुए) आग लगे इस फैशन को, लड़के वाले तेरी बहन को देखने आये थे तुझे पसंद करके चले गए।

दूल्हा : पंडितजी ! पत्नी को दायीं तरफ बैठाना है या बांयी तरफ? पंडित : देख लो, जैसा ठीक लगे बाद में तो सर पर ही बैठेगी !

लड़का : कहां जा रही हो? लड़की : आत्महत्या करने? लड़का : तो इतना मेकअप क्यों किया हुआ है? लड़की : अबे गधे ! कल न्यूज पेपर में फोटो आएगी न।

बैंक मैनेजर-'तो आखिर आपने बीवी को तलाक दे दिया।' अकाउन्ट होल्डर-'आपको कैसे पता चला?' मैनेजर-'आपके अकाउंट में रकम बढ़ती जा रही है।'

कहानी | लोमड़ी और अंगूर

एक लोमड़ी बहुत भूखी थी। इधर-उधर काफी समय तक घूमने के बाद भी उसे खाने को कुछ भी न मिला, तभी उसकी नजर पास के एक बाग पर पड़ी। उस बाग से बड़ी ही मीठी सुगंध आ रही थी। उसे एहसास हो चला कि अब उसकी खाने की तलाश जल्द ही खत्म होने वाली है। वह तेजी से बाग की ओर अपने कदम बढ़ाने लगी। जैसे-जैसे वह कदम आगे बढ़ाती, बाग से आने वाली महक और भी तेज होती जाती। उसने मन ही मन सोचा कि इस बाग में कुछ तो खास होगा, जो उसे खाने को मिलेगा। इसी सोच के साथ वह और तेजी से आगे बढ़ने लगी। जैसे ही वह बाग में पहुंची, तो उसने देखा कि बाग तो अंगूर की बेलों से लदा हुआ है। सभी अंगूर पूरी तरह से पक चुके हैं। अंगूर देखकर उसकी आंखें चमक उठीं। अंगूरों की महक से उसने इस बात का अंदाजा लगा लिया कि अंगूर कितने रसदार और मीठे होंगे। वह इतनी उतावली हो चली कि मानो एक ही बार में बाग के सारे अंगूर खा जाएगी। उसने झट से अंगूरों को लक्ष्य बनाकर एक लंबी छलांग मारी, लेकिन वह अंगूरों तक पहुंच नहीं सकी और धड़ाम से जमीन पर आ गिरी। उसका पहला प्रयास विफल हुआ। उसने सोचा क्यों न फिर से कोशिश की जाए। वह एक बार फिर जोश से उठी और इस बार उसने अपनी पूरी ताकत से पहले से तेज अंगूरों की ओर छलांग लगा दी, लेकिन अफसोस कि उसका यह प्रयास भी बेकार गया। इस बार भी वह अंगूरों तक पहुंचने में नाकामयाब रही, लेकिन उसने हार नहीं मानी। उसने खुद से कहा कि अगर दो प्रयास विफल हो गए तो क्या, इस बार तो सफलता मुझे मिलकर ही रहेगी। फिर क्या था, इस बार फिर वह दोगुने जोश के साथ खड़ी हुई। इस बार उसने अब तक की सबसे लंबी छलांग लगाने की कोशिश की। उसने अपने शरीर की सारी ताकत को एकत्र कर एक लंबी दौड़ लगाई। उसे लगा था कि इस बार उसे अंगूर पाने से कोई नहीं रोक सकता, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इस बार का प्रयास भी खाली गया। वह जमीन पर आ गिरी। इतने जतन करने के बावजूद वह एक भी अंगूर हासिल नहीं कर पाई। ऐसे में उसने अंगूर पाने की अपनी आस छोड़ दी और हार मान ली। अपनी विफलता को छिपाने के लिए उसने खुद ही बोला कि अंगूर खट्टे हैं, इसलिए इन्हें मुझे नहीं खाना।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

वृषभ

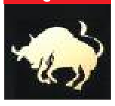

परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें।

मिथुन

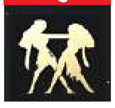

आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

कर्क

आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

सिंह

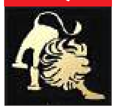

नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

कन्या

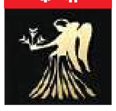

बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

तुला

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

वृश्चिक

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

धनु

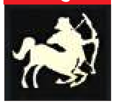

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मकर

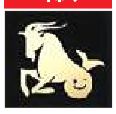

मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें।

कुम्भ

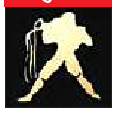

व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। मान-सम्मान मिलेगा।

मीन

उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

आज भी कभी-कभी मेरे पैर कांपने लगते हैं : सुनैना

ऋतिक रोशन की बहन सुनैना ने निजी जिंदगी में बहुत तकलीफें सही हैं और कई बीमारियां झेली हैं। उन्होंने अकसर ही अपने हेल्थ इशूज और मानसिक स्थिति के बारे में बात की है। सुनैना आज एकदम फिट हो गई हैं, जबकि कभी उनका वजन 140 किलो था और जानलेवा बीमारियों ने घेरा हुआ था। वह सर्वाइकल कैंसर का भी शिकार रहीं। सुनैना उन सभी बीमारियों से काफी मजबूती के साथ लड़ीं और ठीक हो गईं, पर अब वह एक नई परेशानी से जूझ रही हैं, जिसके बारे में सोशल मीडिया पर बताया है। सुनैना रोशन ने कुछ समय पहले सर्वाइकल लिंफोमा और ग्रेड 3 फैटी लिवर की बीमारी से जूझने के बारे में बात की थी। अब उन्होंने सोशल एंग्जाइटी के बारे में बात की है। सुनैना ने बताया है कि उनकी हालत कैसी हो जाती है। इसे लेकर उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है। सुनैना रोशन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए वीडियो में मौजूदा परेशानी को लेकर दर्द साझा किया है। वह एक ऑथर और वेलनेस एडवोकेट हैं। सुनैना ने बताया, आज भी कभी-कभी मेरे पैर कांपने लगते हैं और मेरा दिमाग जरूरत से ज्यादा तेजी से सोचने लगता है। लेकिन मैंने यह भी सीख लिया है कि पीछे हटना मुझे कमजोर नहीं बनाता। बल्कि यह मुझे अटूट बनाता है, क्योंकि मैं खुद को चुन रही हूं। अगर आप भी ऐसा ही महसूस करते हैं, तो मैं आपके साथ हूं। हम सब धीरे-धीरे, एक-एक करके इस रास्ते को खोज रहे हैं। सुनैना ने बताया कि सोशल एंग्जाइटी उनके रोजमर्रा के व्यवहार को किस हद तक प्रभावित कर रही है। वह बोलीं, आप जानते हैं, सोशल एंग्जाइटी एक ऐसी चीज है, जिससे हममें से बहुत से लोग जूझते हैं, भले ही हम इसके बारे में बात न करें।

अखंडा 2 का दिखा भौकाल, ओपनिंग डे की कमाई में धुरंधर को छोड़ा पीछे

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के नामी एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म अखंडा 2 सिनेमाघरों में आखिरकार रिलीज कर दी गई। फिल्म पहले रणवीर सिंह की धुरंधर के साथ आने वाली थी लेकिन किसी कारणवश इसकी रिलीज को स्थगित कर दिया गया था। अब एक हफ्ते के बाद इसे रिलीज कर दिया गया है और इसके आते ही बॉक्स ऑफिस पर हलचल मच गई है। फिल्म की कमाई के पहले दिन के आंकड़े आ गए हैं और ये चौंकाने वाले हैं। इसका कलेक्शन काफी अच्छा जा रहा है और फिल्म ने ओपनिंग डे की कमाई के मामले में धुरंधर को भी पीछे छोड़ दिया है।

फिल्म को एडवांस बुकिंग से काफी फायदा मिला है और फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन ही सबकुछ बयां कर रहा है। किस तरह से इस फिल्म ने रिलीज के साथ ही कोहराम मचा दिया है। धुरंधर की रिलीज का भी इस फिल्म पर कोई असर पड़ता नजर नहीं आ रहा है। आइए जानते हैं कि फिल्म का अब तक का कलेक्शन

कितना हो गया है।

अखंडा 2 फिल्म की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के साथ ही अपनी जबरदस्त कमाई से एक बार फिर से बता दिया कि नंदमुरी बालकृष्ण का साउथ में क्या जलवा है। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म ने एडवांस बुकिंग में ही 8 करोड़ रुपए कमा लिए थे। इसके बाद फिल्म को पहले दिन भी अच्छी-खासी ऑडियंस मिली और इसका कलेक्शन 22 करोड़ रुपए रहा है। इस लिहाज से फिल्म की पहले दिन की कुल कमाई की बात करें तो इसका कलेक्शन 30 करोड़ रुपए हो चुका है।

आते ही धुरंधर का खेल किया तमाम

अखंडा 2 ने काफी शानदार कलेक्शन किया और आते ही रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इसका मतलब कि आने वाले समय के लिए नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म अखंडा 2 को हल्के में लेना ठीक नहीं और ये धुरंधर समेत अन्य फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर गेम बिगाड़ सकती है। सभी की नजरें अब इस फिल्म के पहले वीकेंड के कलेक्शन पर टिकी हुई हैं। फिल्म रिपोर्ट्स के मुताबिक 120 करोड़ रुपए के बजट में बनी है और जहां तक अनुमान है ये फिल्म अपने पहले वीकेंड में ही अपना बजट पार कर ले जाएगी। साथ ही अभी तो फिल्म की कमाई के ओपनिंग डे के आंकड़े आने भी बाकी हैं।

पहले ही दिन पौने दो करोड़ की कमाई कर डाली किस किस को प्यार करूं 2

कपिल शर्मा एक बार फिर बड़े पर्दे पर दस्तक दे चुके हैं। उनकी फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। अब थिएटर्स सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद अब ओटीटी रिलीज को लेकर चर्चा में है। चलिए आपको बताते हैं फिल्म की ओटीटी रिलीज को लेकर क्या जानकारी सामने आ रही है।

साल 2015 में आई किस किसको प्यार करूं से कपिल शर्मा ने फिल्मों में कदम रखा था। हालांकि, शुरुआती फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली, लेकिन समय के साथ वह दर्शकों के बीच कल्ट कॉमेडी बन गई। अब इसके सीक्वल को ज्यादा बड़े स्तर पर प्रमोट किया गया और रिलीज के साथ ही फिल्म ने ठीक-

ठाक शुरुआत दर्ज की। किस किसको प्यार करूं 2 ने पहले दिन 1.75 करोड़ का कलेक्शन किया है।

ओटीटी प्ले की रिपोर्ट के मुताबिक किस किसको प्यार करूं 2 का डिजिटल प्रीमियर जियोहॉटस्टार पर होने वाला है। माना जा रहा है कि थिएटर रन पूरा होने के बाद यह फिल्म फरवरी की शुरुआत में स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हो सकती है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी आधिकारिक तारीख की पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन फैंस बेसब्री से इसके ऑनलाइन रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे दूल्हे के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी जिंदगी तब उलझ जाती है जब वह अलग-अलग धर्मों को मानने वाली चार महिलाओं से शादी कर लेता है। यहीं से शुरू होती है गलतफहमियों, हंसाने वाली स्थितियों और एक के बाद एक कॉमेडी सीन्स। कपिल शर्मा के साथ मंजोत सिंह, हीरा वरीना, तृधा चौधरी, पारुल गुलाटी और आयशा खान अहम भूमिकाओं में नजर आते हैं। इसके अलावा फिल्म में असरानी, अखिलेंद्र मिश्रा, विपिन शर्मा, सुषांत सिंह जैसे दिग्गज कलाकार भी कहानी को मजबूत बनाते हैं। जैमी लीवर, स्मिता जयकर और सुप्रिया शुक्ला की मौजूदगी कॉमेडी का तड़का और बढ़ा देती है। कुल मिलाकर यह फिल्म उन दर्शकों के लिए है जो हल्की-फुल्की, पारिवारिक और एंटरटेनिंग कॉमेडी का मजा लेना चाहते हैं।

अजब-गजब | अजीबो-गरीब है फिलीपींस का मशहूर वैनिशिंग आइलैंड

रात होते ही गायब हो जाता है यह आइलैंड, दिनभर रहती है भीड़, शाम होते ही पसर जाता है सन्नाटा

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो ने सबको हैरान कर रखा है। एक खूबसूरत रेतीला द्वीप, सफेद रेत, नीला पानी और हजारों टूरिस्ट्स की भी? लेकिन जैसे ही सूरज ढलता है, पूरा द्वीप गायब हो जाता है। जी हां, जहां दिनभर लोग दिखाई देते हैं, वो जगह पानी में गायब हो जाती है। रात में वहां सिर्फ समुद्र ही समुद्र दिखता है, कोई आइलैंड का नामोनिशान नहीं रहता।

सुबह फिर वही द्वीप दोबारा उभर आता है। ऐसे में लोग पूछ रहे हैं कि क्या ये कोई जादुई जगह है? आपको बता दें कि इसका जवाब है नहीं। ये कोई जादुई जगह नहीं बल्कि ये फिलीपींस का मशहूर वैनिशिंग आइलैंड है, जो असल में एक टाइडल सैंडबार है। ये आइलैंड बोहोल प्रांत के पास लिलिबोरन और पंगलाओ के बीच स्थित है। असल में ये कोई स्थायी द्वीप नहीं, बल्कि समुद्र के बीच में बना एक बड़ा रेत का टीला है। जब ज्वार नीचा होता है (सुबह 8 बजे से दोपहर 3-4 बजे तक), तो पानी कम हो जाता है और पूरा सैंडबार ऊपर आ जाता है।

ये करीब 1 किलोमीटर लंबा और 300 मीटर चौड़ा है। टूरिस्ट बोट से आते हैं, फिर पैदल घूमते हैं, स्नॉर्कलिंग करते हैं, सी-फूड खाते हैं, फोटोशूट करवाते हैं। बीच पर अस्थायी छाते, टेबल-कुर्सियां, फोटो प्रॉप्स सब लग जाते हैं। दिन में यहां 2000-3000 लोग आसानी से आ जाते हैं। लेकिन जैसे ही शाम 4-5 बजे ज्वार चढ़ने लगता है, पानी धीरे-धीरे ऊपर आने लगता है। पहले छाते डूबते हैं, फिर टेबल-कुर्सियां, फिर पूरी रेत। शाम 6 बजे तक पूरा आइलैंड 3-5 फीट पानी में डूब जाता है। रात में सिर्फ गहरा समुद्र रह जाता है। इसीलिए इसे वैनिशिंग आइलैंड या डिसअपीयरिंग आइलैंड कहते हैं।

लोकल टूर गाइड बताते हैं कि टूरिस्ट्स को हमेशा 3:30 बजे तक वापस बुला लिया जाता है। अगर कोई लेट हो जाए तो बोट वाले डबल चार्ज करते हैं। कई बार कपल्स रोमांस में इतना खो जाते हैं कि लेट हो जाते हैं और फिर रात में नाव से रेस्क्यू करना पड़ता है। 2025 में ये जगह फिलीपींस के टॉप 5 टूरिस्ट स्पॉट्स में शुमार की गई है। दुनिया में ऐसे कई टाइडल सैंडबार हैं। इसमें ऑस्ट्रेलिया का ग्रेट सैंडी, भारत का दिवा द्वीप (गुजरात) भी ऐसा ही है लेकिन फिलीपींस वाला सबसे खूबसूरत और सबसे ज्यादा वायरल है। यहां का पानी इतना साफ है कि डूबने से पहले भी नीचे मूंगा और मछलियां साफ दिखती हैं। टूर पैकेज सिर्फ 500-800 पेसो (700-1100 रुपये) में मिल जाता है जिसमें बोट, लंच, स्नॉर्कलिंग सब शामिल होता है। लेकिन टाइमिंग का ध्यान रखना पड़ता है, वरना आप भी समुद्र में तैरते रह जाएंगे।

रात में क्यों होती हैं ज्यादातर शादियां अजीबो-गरीब है इसका इतिहास!

भारतीय संस्कृति में विवाह को सिर्फ दो लोगों का साथ नहीं, बल्कि दो परिवारों और दो आत्माओं का पवित्र मिलन माना गया है। इसे जीवन के सोलह संस्कारों में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। हिंदू धर्म में विवाह तेरहवां संस्कार होता है, जो व्यक्ति को गृहस्थ जीवन की ओर अग्रसर करता है। माना जाता है कि यह जन्म-जन्मांतर का बंधन है, जिसमें पति-पत्नी केवल शरीर से नहीं, बल्कि आत्मिक स्तर पर भी एक-दूसरे से जुड़ते हैं। हिंदू विवाह में कई परंपराएं और रस्में निभाई जाती हैं, जिन्हें बड़े उत्सव की तरह मनाया जाता है। हर प्रक्रिया चाहे छोटी हो या बड़ी सबका विशेष महत्व होता है। आपने देखा होगा कि अधिकतर हिंदू शादियां रात में संपन्न होती हैं। लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि ऐसा क्यों होता है? इसके पीछे कई रोचक मान्यताएं और कारण हैं। आज हम आपको बताएंगे कि आखिर हिंदू धर्म में ज्यादातर विवाह रात में ही क्यों कराए जाते हैं और इस परंपरा का क्या महत्व है। दरअसल, एक रिपोर्ट के अनुसार मुगल काल के डर से उत्तर भारत में हिंदुओं ने शादियों को रात में कराना शुरू किया, क्योंकि दिन के समय मुगल सैनिक या आक्रमणकारी अचानक हमला करके दुल्हन का अपहरण कर लेते थे। जिससे बचने के लिए लोग छिपकर, अंधेरे में शादी करने लगे। यह डर धीरे-धीरे एक परंपरा बन गया। शास्त्रों के अनुसार शादी दिन में होनी चाहिए थी (सूर्य की साक्षी में), लेकिन इस मजबूरी ने प्रथा को बदल दिया। इसके अलावा ये भी कहा जाता है, कि इसी डर के कारण 'घूंघट प्रथा' और 'बाल विवाह' जैसी कुरीतियां भी पनपीं थी। ताकि लड़कियों को कम उम्र में ही सुरक्षित किया जा सके। बता दें, कि यह एक वायरल दावा है, इसे कहीं पुख्ता नहीं बताया गया है, इसलिए हम इसकी पुष्टी नहीं करते। कहा जाता है, इसकी वजह से अब शादी चंद्रमा और तारों को साक्षी मानकर की जाती है। चंद्रमा को शीतलता, मन और आत्मीयता का प्रतीक माना जाता है। जबकि तारों को स्थिरता और अटल प्रेम का प्रतीक माना जाता है। यह तारे पति-पत्नी के रिश्ते में भी स्थिरता और दृढ़ता बनाए रखने का आशीर्वाद देते हैं।

राहुल गांधी के आह्वान के समर्थन में आईं प्रियंका

» प्रदूषण का समाधान ढूंढा जाए संसद में चर्चा की मांग का किया स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिगड़ते वायु प्रदूषण संकट पर संसद में व्यापक चर्चा के राहुल गांधी के आह्वान का समर्थन करते हुए कहा कि यह मुद्दा अत्यावश्यक है और सरकार को एक अच्छी कार्य योजना बनानी चाहिए और उसे आगे बढ़ाना चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि वायु प्रदूषण हर साल बढ़ता जा रहा है और इसके लिए एक समन्वित प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मैं पूरी तरह सहमत हूं, और मुझे लगता है कि सभी सहमत होंगे। सरकार ने भी कहा है कि हम सभी को इस पर चर्चा करनी चाहिए और एक कार्य योजना बनानी चाहिए।

यह हर साल बढ़ रहा है। हम अन्य सभी विषयों पर चर्चा करते हैं, इसलिए इस पर भी चर्चा होनी चाहिए और कुछ ठोस परिणाम निकलना चाहिए। अगर सरकार एक अच्छी कार्य योजना बनाती है और उसे आगे बढ़ाती है, तो यह बहुत अच्छा होगा।

इससे पहले आज, राहुल गांधी ने लोकसभा में इस मुद्दे को उठाया और सभी राजनीतिक दलों से दिल्ली और अन्य प्रमुख शहरों में खतरनाक प्रदूषण स्तर से निपटने के लिए मतभेदों को भुलाने का आग्रह किया।

प्रदूषण पर राजनीति बंद करे सरकार : चतुर्वेदी

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की वायु प्रदूषण पर चर्चा की मांग का स्वागत किया और जोर देकर कहा कि इस मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय हमें इसका समाधान ढूंढना चाहिए, क्योंकि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही इससे पीड़ित हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने इस बात पर बल दिया कि दिल्लीवासियों को ऐसा लगता है मानो वे हर दिन जहरीली हवा में सांस ले रहे हों और भाजपा के सत्ता में होने के बावजूद इस मुद्दे पर बहस न होने की आलोचना करते हुए कहा कि यह कभी आम आदमी पार्टी के खिलाफ हमले का एक प्रमुख मुद्दा हुआ करता था। चतुर्वेदी ने कहा मैं इसका स्वागत करता हूं। ऐसा लगता है जैसे हम हर दिन जहरीली हवा में सांस ले रहे हैं। आम आदमी पार्टी के सत्ता में रहते हुए भाजपा इस मुद्दे पर चर्चा करती थी, लेकिन सरकार बनने के बाद भी इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। इस पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही इससे पीड़ित हैं। इस पर राजनीति करने के बजाय हमें इसका समाधान ढूंढना चाहिए।

चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना कर रहा

» एआईएमआईएम सांसद ओवैसी बोले- एनआरसी का बैकडोर है एसआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एसआईआर पर चर्चा के दौरान चुनाव आयोग पर संसद के बनाए नियम और सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग ने पब्लिक डोमेन ऑर्डर डाले बिना 35 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काट दिए। हम एसआईआर का विरोध करते हैं। लोकसभा में, चुनाव सुधार पर चर्चा में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का एसआईआर संसद की ओर से बनाए गए कानून का उल्लंघन करता है।

उन्होंने कहा, यह उच्चतम न्यायालय के तीन न्यायाधीशों की पीठ की ओर से लाल बाबू हुसैन मामले में दिए गए फैसले का उल्लंघन करता है। ओवैसी ने लोकसभा में मुस्लिम सांसदों की कम संख्या पर अफसोस जताया। उन्होंने कहा कि डॉ भीमराव आंबेडकर ने बार-बार कहा था कि राजनीतिक सत्ता सामाजिक प्रगति की कुंजी है। सांसद ने कहा, यहां केवल चार प्रतिशत मुसलमान हैं। सत्तारूढ़ पार्टी में कोई मुस्लिम सदस्य नहीं है। ओवैसी ने कांग्रेस और सपा पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, मुसलमान यहां नहीं हैं, धर्मनिरपेक्ष पार्टियों में उनका प्रतिनिधित्व नहीं है। उदाहरण के लिए, अगर वायनाड जैसी मुस्लिम बहुल सीट से गैर-मुस्लिम चुने जा सकते हैं, तो रायबरेली, अमेठी और इटावा से मुस्लिम चुने जा सकते हैं।

मतदाताओं पर नागरिकता साबित करने का भार

ओवैसी ने दावा किया कि चुनाव आयोग मतदाताओं पर अपनी नागरिकता साबित करने का भार डाल रहा है और यह जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1960 में इस सदन द्वारा पारित किये गए निर्वाचक नियमों तथा लाल बाबू हुसैन मामले में शीर्ष अदालत के फैसले का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग, देश के उच्चतम न्यायालय और संसद से बड़ा नहीं है।

अंडर-19 एशिया कप : भारत ने यूएई को 234 रनों से हराया

» वैभव सूर्यवंशी ने 95 गेंदों पर बनाएं 171 रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारत के नए युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारत ने अंडर-19 एशिया कप के पहले मुकाबले में यूएई को 234 रनों के बड़े अंतर से हराया। भारत ने वैभव के 95 गेंदों पर नौ चौकों और 14 छक्कों की मदद से 171 रन और आरोन जॉर्ज के 69 तथा विहान मलहोत्रा के 69 रनों की अर्धशतकीय पारी से 50 ओवर में छह विकेट पर 433 रन बनाए। जवाब में यूएई की 50 ओवर में सात विकेट पर 199 रन ही बना सका। यूएई की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए कभी भी भारत को टक्कर देने की स्थिति में नहीं दिखी। और महज 53 रन तक छह विकेट गंवा दिए।

इससे पहले सूर्यवंशी ने रिकॉर्डतोड़ पारी खेली। सूर्यवंशी की 171 रन की पारी अब युवा वनडे में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। यह रिकॉर्ड अंबाती रायुडु के नाम है जिन्होंने 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 177 रन बनाए थे। यह अंडर-19 वनडे में नौवा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सूर्यवंशी ने क्रीज पर आते ही यूएई के गेंदबाजों की खबर लेनी शुरू कर दी। उन्होंने 30 गेंद में अपना अर्धशतक और फिर 56 गेंद में शतक पूरा किया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने जॉर्ज के साथ दूसरे विकेट के लिए 212 रन की साझेदारी की। वह 33वें ओवर में स्पिनर सुरी की गेंद पर आउट हुए। यूएई की ओर से उदिश सुरी ने 106 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 78 रन बनाए, जबकि पृथ्वी मधु ने 50 रन बनाए। भारत की ओर से दीपेश देवेंद्रन ने दो विकेट लिए, जबकि किशन कुमार सिंह, हेनिल पटेल, खिलान पटेल और विहान को एक-एक सफलता मिली।

डब्ल्यूटीसी की तालिका में भारत छठे स्थान पर खिसका

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड की वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच में नौ विकेट से जीत से भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में नुकसान हुआ है। भारतीय टीम पांचवें से छठे स्थान पर खिसक गई है और शीर्ष दो की दौड़ में पिछड़ती जा रही है। भारतीय टीम ने डब्ल्यूटीसी के शुरुआती दो चक्र में उपविजेता रही, लेकिन पिछले सत्र में फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी। टीम का डब्ल्यूटीसी 2025-27 चक्र में भी प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है जिस कारण अंक तालिका में वह शीर्ष पांच से भी बाहर हो गई है। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट मैच में नौ विकेट से हराया। इस शानदार जीत से न्यूजीलैंड की टीम तालिका में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर आ गई। भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू जमीन पर टेस्ट सीरीज 0-2 से गंवानी पड़ी थी जिस कारण भारत पांचवें स्थान पर खिसक गया था। पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 100 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि दक्षिण अफ्रीका 75 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

वरिष्ठ पत्रकार केपी मलिक को मिला भारत गौरव सम्मान

» काली रमन फाउंडेशन की ओर से दिया गया अवार्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के जाने-माने संस्थान काली रमन फाउंडेशन की ओर से 11वां रहबर-ए-आज़म सर छोटू राम मेमोरियल भारत गौरव अवार्ड-2025 का आयोजन किया गया। इस समारोह में अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महान हस्तियों को सम्मानित किया गया, जो शिक्षा, पत्रकारिता, समाज सेवा, राजनीति, खेल, स्वास्थ्य आदि महत्वपूर्ण क्षेत्रों से ताल्लुक़ रखती हैं। सम्मानित होने वालों में पत्रकारिता के क्षेत्र में अपने धारदार, संपादकियों, लेखों और जीरो ग्राउंड रिपोर्ट्स के लिए चर्चा में रहने वाले वरिष्ठ पत्रकार एवं दैनिक भास्कर के राजनीतिक संपादक के.पी. मलिक का नाम भी शामिल है।

भारत गौरव अवार्ड-2025 से सम्मानित होने के अवसर पर के.पी. मलिक ने मीडिया की भूमिका और अपनी बेबाक़ पत्रकारिता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस सम्मान के लिए आयोजक मंडल का धन्यवाद दिया और कहा कि यह सम्मान उनके लिए एक नई ऊर्जा प्रदान करता है और देश व समाज के लिए जिम्मेदार बने रहने की प्रेरणा देता है। पत्रकारिता और समाजसेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले दैनिक भास्कर के राजनीतिक संपादक एवं वरिष्ठ पत्रकार के. पी. मलिक को मिला यह महत्वपूर्ण सम्मान यह तय करता है कि अगर कोई व्यक्ति अपने काम को ईमानदारी, लगन और मेहनत से सकारात्मक सोच के साथ करे, तो न सिर्फ़ समाज, बल्कि देश को भी एक नई दिशा प्रदान कर सकता है।

करूर भगदड़ पर तथ्य नहीं, सिर्फ भ्रम फैलाया जा रहा : विजय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके ने तमिलनाडु सरकार की उस याचिका के जवाब में प्रारंभिक प्रतिवाद दाखिल किया है, जिसमें सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से करूर भगदड़ मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के अपने आदेश को रद्द करने की अपील की है।

टीवीके ने दावा किया है कि तमिलनाडु सरकार की याचिका में पर्याप्त तथ्य नहीं हैं और सीबीआई तथा सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित निगरानी समिति के अधिकार क्षेत्र को समाप्त करने का कोई वैध कारण नहीं बताया गया है। टीवीके का कहना है कि राज्य सरकार के प्रतिवाद में कई बयान झूठे और भ्रामक हैं। टीवीके ने आगे कहा कि ऐसे दावों पर विचार करने से चल रही जांच और उसकी निगरानी में बाधा उत्पन्न होगी। टीवीके की ओर से दिए जवाब में कहा है कि प्रतिवादी यह गलत दावा कर रहे हैं कि याचिकाकर्ता ने इस न्यायालय को गुमराह किया है।

यूपी के रास्ते पर न चलें कर्नाटक के गृहमंत्री

» पी चिदंबरम ने बुलडोजर चलाने के बयान पर जताई चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने राज्य में नशीली दवाओं की तस्करी से कमाए गए रुपयों से बनाई गई इमारतों पर बुलडोजर एक्शन लेने की बात कही थी। इसको लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने आपत्ति जताई है। उन्होंने कर्नाटक कांग्रेस को यूपी के रास्ते पर न चलने की सलाह दी है। दरअसल, कर्नाटक के गृह मंत्री नेजी परमेश्वर ने गुरुवार को विधानसभा में कहा था कि नशीली दवाओं की तस्करी से प्राप्त धन से बनाई गई इमारतों को ध्वस्त कर देगी।

परमेश्वर ने कहा था कि राज्य सरकार रोजाना ड्रग पेडलर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है, अधिकारी न सिर्फ अपराधियों को ट्रैक कर रहे हैं और उन्हें घर किराए पर देने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं, बल्कि उनके घरों को भी गिरा रहे हैं। चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैं कर्नाटक के गृह मंत्री के उस बयान से चिंतित हूं जिसमें कहा गया है कि ड्रग पेडलर्स के घरों को गिराने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल किया जा सकता है। मुझे उम्मीद है कि यह रिपोर्ट गलत है।

घरों को गिराना गैरकानूनी

पी. चिदंबरम ने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि विधिवत प्रक्रिया के बिना घरों को गिराना गैरकानूनी है और इससे परिवार के अन्य सदस्यों के आश्रय के मौलिक और मानवाधिकारों का उल्लंघन होगा। इसके अलावा, कांग्रेस पार्टी का मानना है कि उत्तर प्रदेश में जिस तरह से बुलडोजर न्याय किया जा रहा है, वह गलत, गैर-कानूनी और अन्यायपूर्ण है। कर्नाटक जैसा कांग्रेस शासित राज्य यूपी के गैर-कानूनी रास्ते पर न चले।

सरकारी तंत्र पर वार करने की सजा भुगत रहे अमिताभ ठाकुर

गलत कामों के खिलाफ हमेशा आवाज उठाते हैं पूर्व आईपीएस

कई बार सरकार से प्रताड़ित हो चुके हैं अधिकार सेना के अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सरकार की नाक के नीचे हो रहे गलत कामों के खिलाफ हमेशा आवाज उठाने वाले पूर्व आईपीएस अफसर व अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर आज सरकारी तंत्र के शिकार बन गए हैं। उन्हें देवरिया में एक प्लाट के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। पर ऐसी जानकारी मिल रही है जिस अद्यौगिक प्लाट का ममाला है उसको संरडर करने के लिए उनकी पत्नी नूतन ठाकुर ने उद्योग विभाग को मौखिक सूचना दे दी थी।

उधर ऐसी खबरें आ रही हैं कि जेल में पूर्व आईपीएस अफसर की तबियत खराब हो गई परंतु प्रशासन उन पर ध्यान नहीं दे रहा है। बता दें पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव से लेकर योगी तक पर प्रहार करते रहें हैं अमिताभ ठाकुर।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की पत्नी के प्लॉट पर कारोबारी ने बनाई लोहे की फैक्ट्री, किराए पर चलता था कारखाना

देवरिया में आद्यौगिक क्षेत्र के जिस बी-2 नंबर के प्लॉट को नूतन ठाकुर ने खरीदा था, वह उस समय खाली था। प्लॉट का आवंटन लेने वाले रामजनक शर्मा इसे सरेंडर करने के लिए उद्योग विभाग का चक्कर लगा रहे थे। वहीं नूतन ठाकुर ने भी तीन साल बाद ही इसे सरेंडर करने के लिए विभाग को मौखिक सूचना दी थी। इसके बाद साल 2003 में नूतन ठाकुर ने 618 वर्ग मीटर के इस प्लॉट शराब कारोबारी संजय सिंह को बेच दिया था। संजय सिंह उस समय इसी इलाके में किराए की जमीन पर एक फैक्टरी संचालित कर रहे थे। जमीन मिलने के बाद उन्होंने पक्का निर्माण कराकर अपना कारखाना स्थापित किया। करीब पांच साल पहले यह मामला चर्चा में आया था।

नूतन ठाकुर ने प्लॉट सरेंडर करने के लिए उद्योग विभाग को मौखिक सूचना दे दी थी

नब्बे के दशक में हर जिला मुख्यालय और बड़े कस्बों में उद्योग विभाग की तरफ से इंडस्ट्रियल एस्टेट बनवाया गया था। देवरिया में भी पूरवा चौराहे के पास इस क्षेत्र के लिए जमीन आवंटित हुई थी। इस क्षेत्र में कुछ बड़ी फर्मों ने अपने कारखाने लगाने के लिए जमीन आवंटित कराई थी। इन प्लॉटों के बीच एक बड़ा पार्क है, जिसके दूसरी तरफ उपायुक्त उद्योग का दफ्तर है। इस पार्क के सामने ही प्लॉट नंबर बी-2 है। यह प्लॉट नूतन ठाकुर के नाम से गलत तरीके से आवंटित करने का मुद्दा पांच साल पहले उठा था। तब विभाग ने जांच कराई तो यह बात सामने आई कि जिले से पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर का ट्रांसफर होने के बाद पत्नी नूतन ठाकुर ने प्लॉट सरेंडर करने के लिए उद्योग विभाग को मौखिक सूचना दे दी थी।

विभागीय लोगों ने हस्तांतरण की प्रक्रिया को पूरा कराया

विभागीय नियमों के अनुसार प्लॉट सरेंडर होने पर उसे दोबारा आवंटन के लिए लॉटरी या फिर वरियता क्र म को आधार बनाया जाता। इसमें प्लॉट किसी दूसरे को भी मिलने की संभावना होती। इससे बचने के लिए नूतन ठाकुर और संजय सिंह के बीच ही विभागीय लोगों ने हस्तांतरण की प्रक्रि या को पूरा करा दिया। पूर्व आईपीएल अमिताभ ठाकुर मार्च 1998 से मार्च 2000 तक देवरिया के एसपी रहे थे। प्लॉट पर अपनी फर्म का नाम आने के बाद संजय सिंह ने वहां पहले टिनशेड और फिर पक्का निर्माण करा लिया। किराए पर चल रहे कारखाने को भी इसमें शिफ्ट कर दिया। हालांकि वर्ष 2010 आते-आते संजय सिंह का खुद का कारोबार दिल्ली शिफ्ट हो गया और इसी के साथ प्लॉट नंबर बी-2 पर लगा कारखाना भी अधिकतर बंद रहने लगा। इस संबंध में उपायुक्त उद्योग एस. सिद्दकी ने कहा कि मामले से जुड़ी जो भी जानकारी मांगी गई थी, वह सब उपलब्ध करा दिया गया है।

कफ सिरप मामला उठाने पर सरकार का कहर

उत्तर प्रदेश और बिहार के कई जिलों में कोडीन युक्त कफ सिरप की अवैध स्मगलिंग, बड़े पैमाने पर नशाखोरी और मेडिकल माफिया पर गंभीर आरोप सामने आए थे। बड़े फार्मा डिस्ट्रीब्यूटर्स, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों के साथ राजनीतिक संरक्षण इस पूरे धंधे में शामिल बताया गयां। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने इस मामले में सोशल मीडिया प्रेस और आरटीआई का इस्तेमाल करते हुए लगातार सवाल उठाए। उनके उठाये गये सवाल कि किसके संरक्षण में कोडीन वाली दवाइयां खुलेआम बिक रहीं? बड़े रैकेट को क्यों बचाया जा रहा है? एफआईआर के नाम पर केवल छोटे दवाइयों के दुकानदारों पर ही कार्रवाई क्यों की जा रही है। उनकी पोस्टें और बयानों ने सरकार को असहज किया क्योंकि मामला सीधे स्वास्थ्य विभाग, पुलिस और राजनीतिक संरक्षण की तिकड़ी पर सवाल खड़े कर रहा था। मामला मीडिया में उठने लगा बात हाईकोर्ट तक पहुंची और ठाकुर बार-बार कफ सिरप माफिया शब्द का इस्तेमाल कर रहे थे। नतीजा सरकार को मजबूर होकर बड़े स्तर पर छापेमारी, सस्पेंशन और ट्रांसफर करने पड़े। यह बात कई अधिकारियों को रास नहीं आई और अमिताभ ठाकुर पर अचानक 26 साल पुराना केस एक्टिव हो गया।

रेप मामले में पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को लगा 'सुप्रीम झटका'

» मामलों को स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर करने की याचिका शीर्ष कोर्ट ने की खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हसन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने तीन अन्य बलात्कार मामलों में लंबित मुकदमों को किसी अन्य अदालत में स्थानांतरित करने की मांग की थी।

गौरतलब है कि जेडीएस से निष्कासित रेवन्ना को उनके खिलाफ दर्ज चार बलात्कार मामलों में से एक में दोषी ठहराया जा चुका है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर अनुरोध किया था कि शेष मामलों को उस अदालत के अलावा किसी अन्य अदालत में स्थानांतरित किया जाए, जिसने उन्हें दोषी ठहराया था और घरेलू सहायिका के साथ बलात्कार के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि पहले मामले में उन्हें दोषी ठहराने वाले न्यायाधीश बाकी मामलों की सुनवाई करते समय उस फैसले से प्रभावित नहीं होंगे। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि निचली अदालतों के पीठासीन अधिकारी इस तथ्य से प्रभावित हैं कि उन्होंने याचिकाकर्ता को दूसरे मामले में दोषी पाया है और जाहिर है कि लंबित मामलों में निर्णय लंबित मामलों में साक्ष्यों के आधार पर ही लिया जाएगा।

पिछली सुनवाई के आधार पर याचिकाकर्ता (रेवन्ना) के खिलाफ कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए। इससे पहले, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बलात्कार मामले में दोषी ठहराए गए प्रज्वल रेवन्ना की आजीवन कारावास की सजा को निलंबित करने की याचिका खारिज कर दी थी।

न्यायमूर्ति के.एस. मुदागल और न्यायमूर्ति वेंकटेश नाइक टी की खंडपीठ ने कहा कि आरोपों की गंभीरता को देखते हुए, जमानत देना उचित नहीं है। न्यायालय ने बताया कि रेवन्ना के खिलाफ पहले से ही कई मामले लंबित हैं, जिससे गवाहों को प्रभावित करने का खतरा है। न्यायालय ने यह भी कहा कि आरोपी के व्यापक प्रभाव के कारण पिछली सुनवाई में भी उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी, और पीड़िता द्वारा घटना की सूचना देने में देरी का कारण भी यही प्रभाव था।

मेसी के कार्यक्रम में नाराज फैंस ने की तोड़फोड़, नाराज हुई मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में फुटबॉल सुपरस्टार लियोनल मेसी के कार्यक्रम से जल्दी जाने के बाद नाराज फैंस ने जमकर तोड़फोड़ की। स्टेडियम में हुए हंगामे और अव्यवस्था पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गहरा दुख और हैरानी जताई है।

उन्होंने कहा कि स्टेडियम में जिस तरह का कुप्रबंधन देखने को मिला, उससे वह बेहद आहत हैं। सीएम ममता बनर्जी ने इस पूरे मामले की जांच के लिए जांच समिति बनाने का भी एलान किया है।

यूपी में कोहरे का कहर, ग्रेटर नोएडा में एक्सप्रेसवे पर टकराईं गाड़ियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली से लेकर उत्तर प्रदेश तक कोहरे का असर दिखने लगा है। ग्रेटर नोएडा में घने कोहरे की वजह से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस वे पर बड़ा हादसा हुआ है। यहां एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इसमें कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए और कई लोग मामूली रूप से घायल हुए।

लगा लंबा जाम अमरोहा में एक की मौत

हादसे के चलते लंबा जाम लग गया। क्षतिग्रस्त वाहनों को पुलिस टोल मैनेजमेंट क्रे न की मदद से साइड कराने में जुटी रहीं। दादरी थाना क्षेत्र के चक्रसैनपुर के पास इस हादसे के बाद ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे। घायल यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। वहीं अमरोहा के नेशनल हाईवे पर भी कोहरे का कहर दिखाई दिया। यहां आधा दर्जन गाड़ियां आपस में भिड़ गईं। गजरौला कोतवाली इलाके के नेशनल हाईवे-9 शाहबाजपुर डोर गांव के पास ये हादसा हुआ। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे में घायल कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

संसद पर आतंकी हमले की 24वीं बरसी पर पीएम और राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद पर आतंकी हमले को 24 साल पूरे हो गए हैं। 2001 में आज ही के दिन आतंकवादियों ने देश की संसद को निशाना बनाया था, जिसमें कई वीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। ऐसे में पीएम मोदी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने बलिदान जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की है।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सबसे पहले श्रद्धांजलि दी, जिसके बाद पीएम मोदी, राहुल गांधी और सोनिया गांधी ने भी जवानों की तस्वीरों के पास पुष्प अर्पित किए। 13 दिसंबर 2001 को हुए संसद हमले की याद में आज संविधान सदन (पुरानी संसद भवन) में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया था। इस दौरान सीआईएसएफ के जवानों ने सम्मान गार्ड दिया, जिसके बाद कुछ मिनट का मौन भी रखा गया था। इससे पहले 2023 तक सीआरपीएफ के जवान सलामी शस्त्र दिया करते थे। मगर अब सीआईएसएफ के जवान बलिदानों को सलामी देते हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।